

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम विकास विभाग
प्रेमनगर, देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक 04 जुलाई, 2008

विषय:-वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-419/रेशम/तक0अनु0/बजट/2008-09 दिनांक 15 मई, 2008 एवं पत्रांक-584/रेशम/तक0अनु0/बजट/2008-09 दिनांक 23 मई, 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु संलग्न विवरणानुसार ₹0-23,50,000.00 (₹0 तेईस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन में रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा। धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा जब केन्द्रपोषित योजना के लिए केन्द्रांश की स्वीकृति प्राप्त हो जाय एवं इस आशय का प्रमाण-पत्र दे दिया जाय। साथ ही गत वित्तीय वर्ष में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष प्रमाणित भौतिक वित्तीय प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जाय तथा इस हेतु प्रमाण-पत्र भी दे दिया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय प्रचलित सुसंगत विभागीय प्राविधानों/निर्देशों तथा मितव्ययिता सम्बन्धी व्यवस्थाओं की अनुपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- 3- व्यय हेतु उत्तराखण्ड अभिप्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन)/नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (आय व्यय सम्बन्धी नियम) आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- 4- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 5- निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

8- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

9- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

10- गत वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुसूचित जाति उपयोजना एवं जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत कराये गये सभी कार्यों एवं लाभार्थियों का विवरण भी समाज कल्याण विभाग की वेबसाइट पर डाल दिया जाय।

11- लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

12- यह सुनिश्चित कर लिया जाय, कि आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम की कार्ययोजना भी तैयार की जाय, जिससे कार्यक्रम क्रियान्वयन की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके।

13- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-117(P)/XXVII-4/2008, दिनांक-02/07/2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)

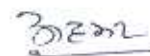
अपर सचिव।

संख्या-574/XVI/08/7(33)/08, तददिनांक:

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
5. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(अहमद अली)

अनु सचिव।

B

शासनादेश संख्या-574 / XVI / 08 / 7(33) / 2008 दिनांक: 04 जुलाई, 2008 का संलग्नक

रेशम विकास विभाग की वर्ष 2008-09 की अनुदान संख्या-30 की राज्य सेक्टर आयोजनागत योजनाओं के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त की जाने वाली धनराशि का योजनावार/मदवार विवरण।

अनुदान सं०-30 लेखाशीर्षक— 2401—फसल कृषि कर्म—आयोजनागत 119—बागवानी और सब्जियों की फसलें 02—अनुसूचित जातियों के लिये स्पेशल कम्पोनेंट प्लान (कमशः)			
(धनराशि हजार रू० में)			
क्र०सं	योजना/मद	वर्ष 2008-09 हेतु बजट प्राविधान	अवमुक्त की जाने वाली धनराशि
1	0214—केन्द्रपोषित कैटेगोरिक योजना 20—सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	600	600
2	0217—जनपद हरिद्वार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में रेशम विकास 08—कार्यालय व्यय 42—अन्य व्यय	50 1500	50 1500
	योग-0217—	1550	1550
3	0294—रेशम प्रशिक्षण योजना 08—कार्यालय व्यय 42—अन्य व्यय 44—प्रशिक्षण व्यय	40 80 80	40 80 80
	योग-0294—	200	200
	महायोग (क्रमांक 1 से 3 तक)	2350	2350

(रुपये तेईस लाख पचास हजार मात्र)



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव

२५